‘‘कंठस्थ’’ अनुवाद टूल पर पांच दिवसीय राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा दिनांक 08.07.2024 से 12.07.2024 तक ‘‘कंठस्थ’’ अनुवाद टूल पर पांच दिवसीय अभ्यास आधारित हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 08.07.2024 को मुख्यालय के बोर्ड रूम में किया गया जहाँ प्रतिभागियों को ‘‘कंठस्थ’’ अनुवाद टूल की उपयोगिता एवं प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला का प्रशिक्षण सत्र वन अनुसंधान संस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जी.आई.एस. शाखा के कंप्यूटर लैब में किया गया। इस कार्यशाला में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के 24 अधिकारी/कर्म चारियों ने प्रतिभाग किया। महानिदेशक , भा.वा.अ.शि.प. महोदया के निर्देशों के अनुपालन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को कंठस्थ के बारे में जानकारी प्रदान करने हेतु यह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया और उन्होंने अपने सम्बोधन में कार्यालयी गतिविधियों में अनुवाद की उपयोगिता और अनुवाद की लगातार बढ़ती मांग के बारे में बात की तथा परिषद के अंतर्गत इस तरह के प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन और करने की बात कही। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशा व्यक्त किया कि इस कार्यशाला से सभी अवश्य लाभान्वित हुए होंगे। कार्यशाला के अंत मे सभी प्रतिभागियों की प्रतिपुष्टि ली गई जो संतोषजनक रहा। इस कार्यशाला का संपूर्ण संचालन श्री शंकर शर्मा , सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया। उन्होने प्रतिभागियों द्वारा कार्यशालाओं में उत्साहपूर्ववक प्रतिभागिता हेतु हर्ष प्रकट की तथा भविष्य में आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं में सभी के प्रतिभागिता की आशा व्यक्त की। व्यावहारिक प्रशिक्षण देने में श्री सागर थापा, तकनीशियन का भी सहयोग रहा।

कार्यशाला की कुछ झलकियां